

सरपंचों का महापड़ाव स्थगित, लेकिन आंदोलन जारी, एक गुट बैठे धरने पर

सरकार ने कुछ मांगों पर सहमति दी, कुछ पर होगा विचार

जयपुर, (का.प्र.)। ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री रमेश मीणा के मनरेगा कार्यों में अनियमितता के आरोपों से नाराज सरपंचों का महापड़ाव रविवार को स्थगित हो गया, हालांकि आंदोलन अभी जारी रहेगा। दरअसल सरपंचों के एक गुट ने महापड़ाव स्थगित करने का ऐलान कर दिया है, लेकिन इसी में शामिल कुछ सरपंच इस फैसले से नाराज हैं और वे सड़क पर ही धरने पर बैठ गए। दूसरी ओर सरकार से वार्ता के बाद कई मांगें मान ली गई हैं और जो अधूरी हैं उसे पूरी करने की मांग को लेकर संघ से जुड़े पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष और कार्यसमिति के सदस्य आंदोलन जारी रखेंगे।

पंचायती राज मंत्री रमेश मीणा को पद से हटाने सहित सरपंच संघ की 35 सूत्री मांग को लेकर राजधानी में महापड़ाव डाला था इनमें से कुछ मांगें मानने के बाद, जो मांगें सरकार से जुड़ी थीं, उसके लिए राज्य सरकार प्रक्रिया अपनाएगी। सरपंच की ओर से एनजीओ की ओर से जांच करवाने की खिलाफत को लेकर सरकार ने आश्वासन दिया कि अब एनजीओ के बजाय पुराने तरीके से ही जांच कराई जाएगी। हालांकि बीएसआर रेट पर पूर्व की तरह होने वाले टेंडर की प्रक्रिया वर्तमान में भी यथावत जारी रखने की मांग पर निर्णय नहीं हुआ है।

अब तक जो मांगें मानी गई हैं, उनके आदेश लिखित में सरपंच संघ मांग रहा है। रविवार को सरपंच संघ से

जुड़े पदाधिकारियों ने आपस में बैठक कर यह तय किया कि महापड़ाव स्थगित कर दिया जाए और 24 अगस्त को वापस जयपुर में एक बड़ा महापड़ाव डाला जाए लेकिन कुछ पदाधिकारी इस फैसले से नाराज होकर कुछ सरपंच बैठक स्थल पर बाहर ही सड़क पर धरने पर बैठ गए।

सरपंच संघ के प्रदेश अध्यक्ष बंशीधर गढ़वाल ने बताया कि आगामी 17 अगस्त को प्रदेश कार्यसमिति की बैठक रखी जाएगी, जिसमें आगामी आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी। वहीं 24 अगस्त को वापस जयपुर में फिर महापड़ाव होगा। 24 अगस्त को होने वाले महापड़ाव में सरपंचों के साथ ही मनरेगा के कर्मचारी और मेट तक

शामिल होंगे। इस दौरान सरपंच पूर्व की तरह अपना कार्य बहिष्कार जारी रखेंगे। हालांकि वर्तमान में मौजूदा प्रदेश पदाधिकारी और कार्यसमिति सदस्य कहां धरना देंगे अभी यह तय नहीं किया गया है क्योंकि प्रशासन की ओर से उसकी स्वीकृति नहीं मिली है। दूसरी ओर नागौर से जुड़े सरपंच चाहते थे कि उनके क्षेत्र में एक बीडीओ को हटा दिया गया था, उसे बहाल किया जाए लेकिन यह मामला कोर्ट में चल रहा है। सरपंच संघ पदाधिकारियों का कहना है कि सभी सरपंच अपनी मांग पत्र को लेकर एकजुट हैं।

उल्लेखनीय है कि पंचायती राज मंत्री रमेश मीणा ने 7 जिलों में हुए मनरेगा कार्यों की जांच के लिए कमेटी

पूनिया ने किया महारुद्राभिषेक



जयपुर में रॉयल हवेली, स्टेच्यु सर्किल पर श्री शिव महापुराण कथा समिति की ओर से महारुद्राभिषेक कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने महारुद्राभिषेक किया। साथ ही 251 जोड़ों ने भी सामूहिक महारुद्राभिषेक किया। आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में कार्यक्रम में मौजूद सभी शिव भक्तों ने हाथों में तिरंगा लेकर हर घर तिरंगा अभियान को बड़े स्तर पर करने का संकल्प लिया।

जयपुर में मंत्री मुरारीलाल मीणा की बेटी की कार पानी में डूबी



जयपुर (का.सं.)। राजधानी जयपुर के कई हिस्सों में रविवार को हल्की से तेज बारिश हुई। इस कारण मालवीय नगर में नंदपुरी अंडरपास में बारिश से पानी भर गया। जहां से गुजर रही मंत्री मुरारी लाल मीणा की बेटी की कार अंडरपास में भरे पानी में डूब गई। बता दें, यह कार मंत्री मुरारीलाल मीणा की बेटी निहारिका जोरवाल चला रही थी। निहारिका जोरवाल राजस्थान विश्वविद्यालय छात्रसंघ अध्यक्ष पद की उम्मीदवार हैं। मौके पर लोगों ने कार को डूबते देखा तो उन्होंने निहारिका को कार से बाहर निकाल लिया। जिसकी वजह से निहारिका की जान बच गई।

कावड़ यात्रा जैसे प्रतिबंध मोहरम पर लगाएं राज्य सरकार : लाहोटी

- सांगानेर विधायक ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखा
- 'कानून सबके लिए एक समान, मोहरम पर डीजे-डोल व नगाड़ों तथा हथियारों के प्रदर्शन पर रोक लगे'

साथ हजारों की तादात में एक साथ सड़कों पर जुलूस निकाले जाएंगे, इनमें हथियारों का प्रदर्शन व

ट्यूबलाइटें फोड़ने का प्रदर्शन किया जाता है। अब राज्य सरकार इन पर भी रोक लगाए।

विधायक अशोक लाहोटी ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र में आगे लिखा कि जैसे कावड़ ले जाने वाले श्रद्धालुओं का रजिस्ट्रेशन कराया, उसी प्रकार मोहरम-ताजियों के साथ जुलूस में निकलने वाले लोगों का भी रजिस्ट्रेशन कराया। डोल-नगाड़ों की संख्या 4/6 की जाए और हथियारों के प्रदर्शन व ट्यूबलाइटें फोड़ने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। लाहोटी ने पत्र में आगे लिखा कि सांगानेर में 2 जुलाई को भगवान श्री जगन्नाथ की यात्रा निकलने वाली थी, जो कि सैकड़ों वर्षों से निकलती आ रही है, उसकी अनुमति भी जारी हो गई थी। इसके बाद पुलिस प्रशासन के द्वारा पुजारी के परिवार पर दबाव बनाकर निकलने वाली यात्रा को जबरन रूकवाया था। कल हुई सोपेलजू की मौजिंग में सांगानेर व्यापार महासंघ समेत कई समाज समुदायों के प्रतिनिधियों ने राखी के त्योहार के मध्य नजर सैकड़ों डोल नगाड़ों के साथ ताजिया जुलूस में बाजार से निकलने पर कड़ा ऐतराज किया है। कानून सबके लिए एक समान है, इस पर विचार कर बहुसंख्यक हिन्दू समाज के साथ न्यायसंगत निर्णय करें।

'ई.आर.सी.पी. को राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया जाए'

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने नई दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में आयोजित नीति आयोग की शासी परिषद की सातवीं बैठक में केन्द्र सरकार से पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने सहित विभिन्न केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं में केन्द्र की आर्थिक सहायता बढ़ाने की मांग की है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई बैठक में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान से जुड़े मुद्दों पर मजबूती से राज्य का पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि ईआरसीपी 37,000 करोड़ रुपये की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिससे पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों में लगभग 2 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा मिल सकेगी।



राज्यपाल कलराज मिश्र ने रविवार को नव निर्वाचित उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से व्यक्तिगत मुलाकात कर बधाई और शुभकामना दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि उप राष्ट्रपति के रूप में धनखड़ का कार्यकाल संवैधानिक परंपरा और मूल्यों को और दृढ़ता प्रदान करेगा।

कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने की जगह जस्टिफिकेशन ढूंढ रहे हैं : डॉ. पूनिया

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने बयान देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री राजस्थान में महिला अपराधों पर रोक लगाने एवं न्याय दिलाने में लगातार असफल रहे हैं। कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने की जगह वह बढ़ते अपराधों का जस्टिफिकेशन ढूंढ रहे हैं।

उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठोड़ ने ट्वीट कर कहा कि फांसी की सजा के प्रावधान से रोक के बाद हत्या की घटनाओं के बढ़ने को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा दिया गया बयान दुर्भाग्यपूर्ण एवं शर्मनाक है। मुख्यमंत्री, जो गुह विभाग के मुखिया भी हैं वह बेतुके बयानों से राज्य में बढ़ते रोक के मामलों में अपनी सरकार की नाकामी से बच नहीं सकते हैं। राठोड़ ने कहा कि एनसीआरबी और पुलिस प्रतिवेदन के आंकड़े चौख-चौख कर कह रहे हैं कि राजस्थान दुर्घर्म के मामलों में देश में पहले पायदान पर है। राजस्थान में हर साल 2000 के करीब बच्चियों से रोक के मामले सामने आते हैं। जनवरी 2020 से जनवरी 2022 तक 4091 केस पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज हुए हैं। राठोड़ ने कहा कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार में नाबालिग से रोक के आरोपियों को फांसी की सजा के प्रावधान का कानून बना था। दुर्भाग्य है कि मासूम बच्चियों से रोक की घटनाओं पर अंकुश लगाने में विफल मुखिया जो अब फांसी की सजा के प्रावधान की ही खिलाफत कर रहे हैं। अगर हिम्मत है तो इस कानून

के विरोध में विधानसभा में प्रस्ताव लेकर आए तब हम उन्हें माफ़ूल जवाब देंगे। राठोड़ ने कहा कि राजस्थान में प्रतिदिन दुर्घर्म की 16 घटनाएं हो रही हैं और मुख्यमंत्री दुर्घर्म के 48 प्रतिशत मामलों को झूठा बता चुके हैं। मुखिया जो इस प्रकार की बयानबाजी करके बार-बार दुर्दांत बलात्कारियों के मनोबल को तोड़ने की बजाय बढ़ाने का कुकृत्य कर रहे हैं। यक्ष प्रश्न यह है कि जब गुहमंत्री ही रोक के मामलों को झूठा बताकर अपराधियों के लिए रेड कार्पेट बिछाएंगे तो फिर पुलिस की जांच का रूप क्या होगा?

प्रो. छीपा अध्यक्ष बने जयपुर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति के चुनाव समिति के कार्यालय मधुकर भवन, न्यू कॉलोनी में संपन्न हुए प्रोफेसर मोहनलाल छीपा को समिति का अध्यक्ष और प्रतापभानु सिंह शेखावत को महासचिव चुना गया है। निर्वाचन अधिकारी अंकार सिंह लखावत ने बताया कि राजेंद्र सिंह शेखावत और श्याम सुंदर अग्रवाल उपाध्यक्ष, जगेंद्र सिंह ज्ञानपुरिया कोषाध्यक्ष, नीरज कुमावत सह सचिव निर्वाचित हुए हैं।

स्वामी विवेकानंद के चरित्र को जीवन में उतारें : मुक्तानंद अग्रवाल



रजिस्ट्रार, सहकारिता मुक्तानंद अग्रवाल ने रविवार को रामकृष्ण मिशन परिसर में स्वामी विवेकानंद तथा रामकृष्ण मिशन की स्थापना के 125 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रम में प्रतियोगिता में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार बांटे।

उन्होंने आव्हान किया कि स्वामी विवेकानंद के जीवन चरित्र को अपने जीवन में उतारें।

वर्षा चरण ने कहा कि हमें हमारी सांस्कृतिक गौरव पर गर्व है। जब ब्रिटिश शासन में भारत हीनता के दौर में था, तब विवेकानंद ने समाज में उत्थान व देश में जागरण का बीड़ा उठाया। वे पहले भारतीय थे, जिन्होंने

विश्व बंधुत्व का संदेश दिया। उन्होंने भारत भ्रमण एवं विदेशी प्रवास के बाद राष्ट्रवाद की ज्वाला जलाई। स्वामी विवेकानंद के विचारों से स्वराज की नींव पड़ी और हजारों स्वतंत्रता सेनानियों ने देश को आजाद करने में भूमिका निभाई।

प्रारंभ में रामकृष्ण मिशन के कार्यों से अवगत कराया। कार्यक्रम की

'भारतीय संस्कृति आधारित तंत्र की स्थापना अर्थात् स्वतंत्रता'

सबसे बड़े भूमि दानवीर हैं भगवान परशुराम : तिवाड़ी

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक शिक्षण प्रमुख स्वातं रंजन ने कहा कि भारत की जो पहचान है, संपूर्ण विश्व में उसको बढ़ाने के लिए स्वाधीनता से स्वतंत्रता की ओर जाना होगा। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र स्थापित करना होगा जो हमारी सभ्यता और संस्कृति अनुकूल हो। स्वातं रंजन रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विद्याधर भाग की ओर से स्वराज-75 स्वाधीनता से स्वतंत्रता की ओर विषय पर आयोजित प्रबुद्धजन संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि अपने देश में फ्रेंच, डच, पुर्तगाली और अंग्रेज आए। इन्होंने अपनी ताकत के आधार पर भारत का आर्थिक शोषण किया। केवल आर्थिक शोषण ही नहीं, जो ईसाई देश थे, वहां की ईसाई मिशनरियों ने इन ताकतों का सहयोग लेकर बड़े पैमाने पर हिन्दू समाज का मर्तांतरण किया। उन्होंने कहा कि तुर्क, पठान व मुगलों ने भी भारत को लूटने के लिए अनेक आक्रमण किए और तलवार के जोर पर धार्मिक स्थानों को लूटा, महिलाओं का शोषण किया और बड़े पैमाने पर मर्तांतरण किया। उन्होंने कहा कि मैकाले शिक्षा नीति के माध्यम से ऐसे लोगों को तैयार करना चाहते थे जो रक्त मांस से भारतीय समाज शत प्रतिशत शिक्षित था। भारत में 5 लाख स्वयंत विद्यालय थे, जिनमें बिना जातिभेद व लिंगभेद के अध्ययन, अध्यापन का कार्य होता था। लेकिन अंग्रेजों ने भारतीय शिक्षा तंत्र को नष्ट कर अपनी शिक्षा पद्धति हम पर थोपी। स्वाधीनता के बाद वामपंथियों व कम्युनिस्टों ने उस शिक्षा व्यवस्था को जानबूझकर बनाए रखा।

संसद चुने जाने पर तिवाड़ी, हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष जितेन्द्र भारद्वाज और परशुराम कुण्ड स्थल पर स्थापित होने वाली 51 फिट की भगवान परशुराम की प्रतिमा के लिए सर्वसमाज से योगदान लेने में अग्रणी भूमिका निभाने वाले परमेश्वर शर्मा को सम्मानित किया गया। भाजपा से राज्यसभा सांसद तिवाड़ी ने विप्रेणों की आह्व भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारे धार्मिक स्थल जागृत होने तो देश में भी जागृति और ऊर्जा का नया संचार होगा। हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र भारद्वाज ने संपूर्ण विप्रेण समाज को एक सूत्र में पिरोये जाने के लिए डाटा बैंक स्थापना की घोषणा करते हुए कहा कि यह नेककाज भी विप्रेण फाउंडेशन के बैंकर तले होगा।

प्रदेश में लगातार दूसरे दिन रविवार को भी छह सौ नए संक्रमित मिले

3293 जांचे हुई। इधर राज्य में सबसे ज्यादा 176 जयपुर और 109 नए संक्रमित अलवर जिले में मिले हैं। इसके अलावा उदयपुर व नागौर में 38-38, जोधपुर में 37, चित्तौड़गढ़ में 34, अजमेर में 31, भरतपुर व बीकानेर में 25-25, धौलपुर में 16, कोटा में 13, डूंगरपुर में 11, भीलवाड़ा में 10, जैसलमेर व सिरोही में 7-7, झालावाड़ में 5, सीकर व बीकानेर में 4-4, वाराणसी में 3, बूंदी व जालौर में 2-2 तथा बांसवाड़ा, बाड़मेर और हनुमानगढ़ में एक-एक नया संक्रमित मिला है।

प्यार में फंसाकर महिला से दुर्घर्म

जयपुर। भट्टाबस्ती इलाके में शादी का झांसा देकर एक महिला से रोक का मामला सामने आया है। पिछले चार सालों तक आरोपी ने उसके साथ दुर्घर्म किया। प्रेमोत्तेज होने पर उसका अंतोबोधन भी करवाया। शादी का दबाव बनाते पर दूसरी महिला से शादी कर ली। भट्टाबस्ती थाने में पौड़िता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

पुलिस ने बताया कि भट्टाबस्ती निवासी 36 साल की महिला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। करीब 4 साल पहले उसकी मुलाकात सलीम अहमद से हुई थी। बातचित के दौरान आरोपी ने उसे शादी के लिए ऑफर किया। आरोपी सलीम अहमद ने खुद की पत्नी की मौत होना बताया।